

# निर्मलधाम एवं महासमाधि स्थल पर पालन हेतु सुझाव

प्रबन्ध समिति सभी आगन्तुकों का हार्दिक स्वागत करती है और प्रार्थना करती है कि पुण्य स्मारक की पवित्रता बनाये रखें। इस परिसर के अन्दर 'क्या' करना चाहिए और 'क्या नहीं' करना चाहिए से सम्बन्धित कुछ सुधाव निर्मांकित किये गए हैं। आपसे अनुरोध है कि निर्मलधाम में इन सुझावों से परिचित हों और उनका पालन कर पूर्ण सहयोग दें।

## सुझावों का सारांश:-

समय सारिणी	
अप्रैल से सितम्बर तक	5.00 प्रातः से 9.00 बजे रात्रि तक
अक्टूबर से मार्च तक	6.00 प्रातः से 8.30 बजे रात्रि तक

### 'क्या करें' (Do's)

कृपया:-

- महासमाधि पर दर्शन करने हेतु उक्त दर्शित समय सारणी का पालन करें।
- पूजा के दौरान महासमाधि पर दर्शन के लिए प्रक्रियाओं का पालन करें और अपनी बारी का इन्तज़ार करें।
- समाधि स्थल के बाहर, पन्डाल में बैठकर ध्यान करें।
- समाधि स्थल के चारों तरफ पूर्ण शान्ति बनाये रखें।
- अपने मोबाईल फोन को बन्द रखें।
- सम्पूर्ण निर्मल धाम को साफ एवं स्वच्छ रखें।
- अपने जूते/चप्पल घास के मैदान के बाहर उतारें।
- अपने दान की रसीद गेट नं. 2 के पास स्थित कार्यालय से अवश्य प्राप्त कर लें।
- अपने गुप्त दान या भेंट, धातु की बनी योगदान पेटिका में डाल सकते हैं।
- अन्य व्यक्तियों से शिष्टाचार और सम्मान पूर्वक व्यवहार करें।
- गार्ड एवं स्वयं सेवकों के साथ सहयोग करें और सकारात्मक व्यवहार करें।
- संदिग्ध व्यक्ति और वस्तु पर निगाह रखें और प्रबन्धक को सूचित करें।
- किसी भी जानकारी, शिकायत या बहुमूल्य सुझावों के लिए प्रबन्धक से संपर्क करें।

### 'क्या न' करें:- (Don'ts)

कृपया:-

- दर्शन करते समय भीड़ न लगाएं बल्कि पंक्ति में आगे बढ़ें।
- महासमाधि के शीशे की परिधी/क्षेत्र के अन्दर न बैठें।
- महासमाधि में संगमरमर के बने चबूतरे पर न चढ़ें।
- महासमाधि के सामने कोई भी नकद या अन्य मूल्यवान वस्तु दान पूर्वक न चढ़ावें।
- निर्मलधाम के अन्दर बच्चों को इधर-उधर घूमने की अनुमति न दें।
- पन्डाल के अन्दर प्रसाद एवं अन्य खाद्य सामग्री वितरण न करें।
- निर्मल धाम के अन्दर अपने पालतू जानवरों को न ले जायें।
- निर्मल धाम के अन्दर चिवंगम, पान मसाला, गुटखा का इस्तेमाल न करें।
- निर्मल धाम परिसर के अन्दर थूके नहीं।
- निर्मल धाम के अन्दर पेड़-पौधों और फूलों को न तोड़ें।
- अजनबी व्यक्ति को निर्मल धाम में ठहरने के लिए सिफारिश न करें।
- निर्मल धाम के अन्दर और बाहर कोई क्रोध व झगड़ा न करें।
- प्रबंध समिति की पूर्व अनुमति के बिना निर्मल धाम में कोई सभा न करें।
- निर्मल धाम में किसी कर्मचारी या व्यक्ति को धूस या बख्शीश की पेशकश न करें।
- निर्मल धाम के पूर्ण परिसर में, "धूम्रपान, शराब या अन्य मादक द्रव्यों का सेवन सख्त वर्जित है"